असि मेहरा तेरियां उडीक दे ही रह

तेरे ही भरोसे मैं ता आज गया ठगेया,
आई न समज कुझ पता भी न लगेया,
रेहमता दे सागर तेरे खोरे किथे रह गये,
असि मेहरा तेरिया उडीक दे ही रह गये,

बड़ा दिल करे तेरा शुक्र मनाऊं नु,
तेरी मेहर तेरी मेहर रोला रोज पाऊं नु,
बन ने तो पेहला महल चावा वाले ढेह गये,
असि मेहरा तेरियां उडीक दे ही रह गये,

जैमता दा भार होर सेहा नहीं जांदा है,
मुकियाँ सबर हूँ रेहा नहीं जांदा है,
जीना चिर सेह होया ओहना चिर सेह गये,
असि मेहरा तेरियां उडीक दे ही रह गये,

सागर दे हाल उते गौर भी ना किता तू,
लारेया दे बिना कुझ होर भी न किता तू,
माफ़ करि फेर भी जी कोड़ा कुझ कह गये,
असि मेहरा तेरियां उडीक दे ही रह गये,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/13027/title/asi-mehra-teriyan-udeek-de-hi-reh-gaye

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |